वर्ष 27 अंक 152
पृष्ठ 20+14+4=38
नई दिल्ली, शनिवार
17 दिसंबर 2016
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

खुशी से झूमे दिव्यांग, जगी अच्छे दिनों की आस

विकलांग अधिकार अधिनियम बिल पारित होने पर जंतर मंतर पर कुछ इस तरह से नाचकर खुशी का इजहार करते दिव्यांग। ध्रुव कुमार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: विरोध प्रदर्शनों की बाढ़ और सरकार के खिलाफ नारेबाजी। जंतर मंतर पर कमोबेश यही नजारा देखने को मिलता है। लेकिन शुक्रवार को नजारा बदला हुआ था। राज्यसभा में निःशक्त व्यक्ति अधिकार विधेयक 2014 को मंजूरी मिलने की खुशी जंतर मंतर पर सेलिब्रेट करने दिव्यांग पहुंचे ही बरबस ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। ढोल, नगाड़े संग संगीत पर झूमते दिव्यांग जहां केंद्र सरकार के फैसले की तारीफ कर रहे थे, वहीं अच्छे दिनों की आस जगने की खुशी भी जाहिर कर रहे थे।

विकलांग अधिकार समूह के संयोजक जावेद आब्दी कहते हैं कि शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन विधेयक पास हुआ है। दिव्यांगजनों की खुशी का ठिकाना नहीं हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं हैं और ऐतिहासिक घटना है। क्योंकि पिछले कई सालों से दिव्यांग न केवल खुद्र को उपेक्षित महसूस कर रहे थे बल्कि अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे।

केंद्र सरकार के निर्णय से दिव्यांग जनों को नई पहचान के साथ सरकारी नौकरी और शिक्षा संस्थानों में अब बराबरी का हक मिलेगा। निर्णय के बाद सात की जगह अब दिव्यांगता की 21 कैटेगरी तय की गई है। इस अवसर पर दिव्यांग जनों ने भी खुशी जताते हुए कहा कि अब उनके अच्छे दिन आए हैं।